काले मेघा पानी दे

काले मेघा पानी दे
पानी दे गुड़धानी दे ।

बरसो खूब झमा-झम-झम
नाचें मोर छमा-छम-छम ।

खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक ।

धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे ।

भर दे सारे ताल-तलैया
गाएँ सब मिल छम्मक-छैया ।

हमको नयी कहानी दे
सबको दाना-पानी दे ।

पानी दे ज़िंदगानी दे
काले मेघा पानी दे ।

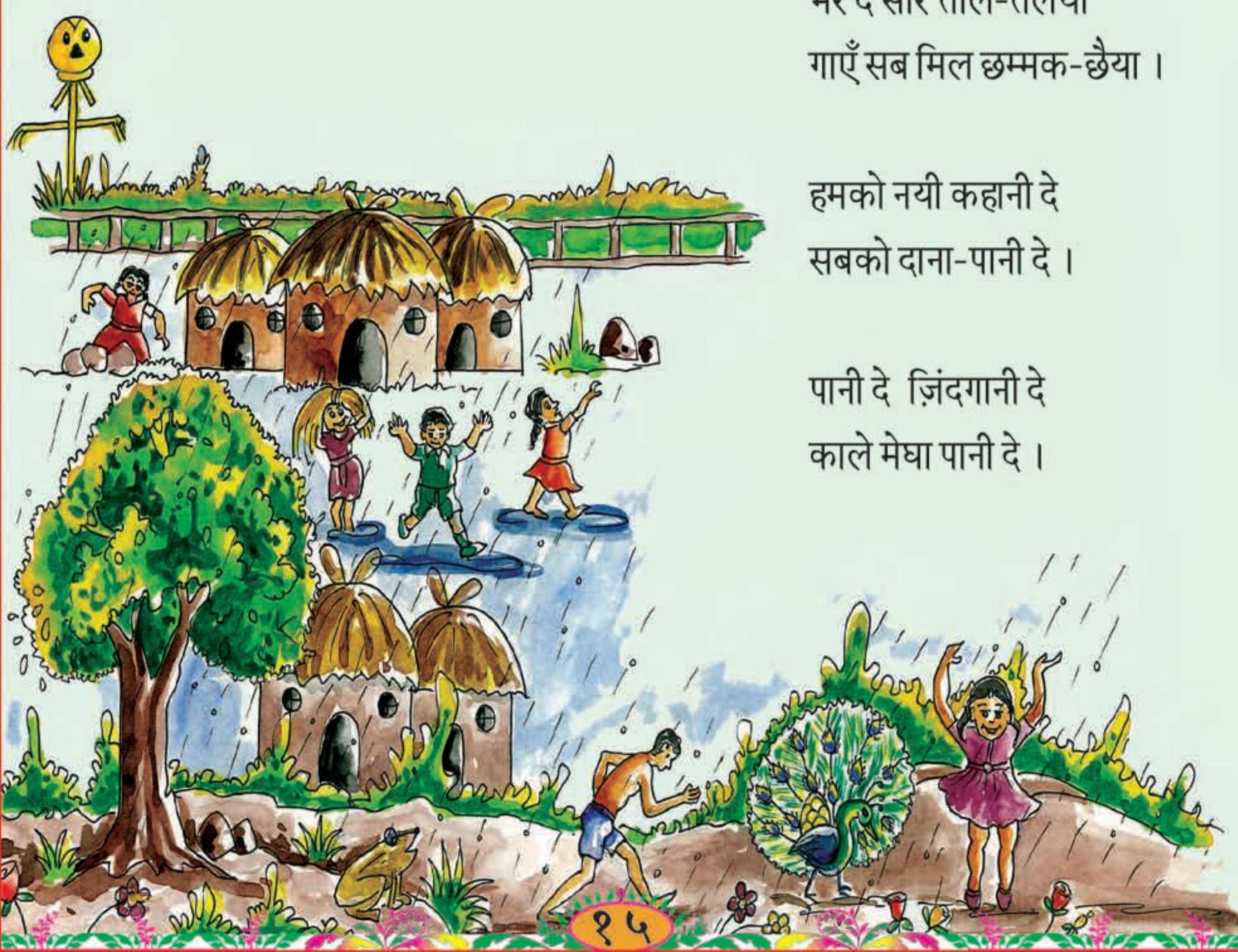

शब्द-अर्थ

मेघा - बादल

गुड़धानी - भुने हुए गेंहू और गुड़ के लड्डू

खलिहान - फसल काटकर रखने का स्थान

मैदान - समतल जमीन

धरती- पृथ्वी

धानी - हरा रंग

ताल -तालाब

तलैया - छोटा ताल

नई कहानी - नया जीवन

दाना-पानी - अन्न-जल

ज़िंदगानी - ज़िंदगी

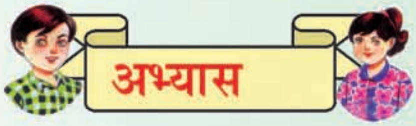

सोचो और बताओ :

१. बच्चे काले मेघों से क्या-क्या माँग रहे हैं ?

२. काले मेघ देखकर मोर क्या करते हैं ?

३. बच्चे मेघों से कहाँ-कहाँ हरा रंग देने का अनुरोध करते हैं ?

४. बारिश होने पर धरती का रंग कैसा दिखाई पड़ता है ?

५. बारिश होने से पहले तालाब कैसे रहते हैं ?

६. बारिश होने पर तालाब कैसे हो जाते हैं ?

७. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

भर दे सारे ____________

गाएँ सब मिल ____________

हमको ____________

____________ दे ।

पानी ____________

____________ पानी दे ।

तुक वाले शब्द :

कविता में आए तुक वाले शब्द लिखो :

पानी - गुड़धानी

झमा-झम-झम -

तलैया -

कहानी -

खलिहान -

हमको -

तुम्हारी समझ में :

१. यदि बारिश न हो तो क्या होगा ?

२. बारिश तुम्हें क्यों अच्छी लगती है ?

३. आसमान में पानी कैसे पहुँचता है ?

शब्द बनाओ : घेरे में से अक्षर चुनकर शब्द बनाओ :

मै लै सो हा धा

_____दान   त_____या   गुड़_____नी

बर _____   खलि _____न

वाक्य बनाओ :

नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाओ :

हम गीत गाते हैं ।   हम गीत गाएँ ।

हम पाठ पढ़ते हैं ।   _____________

हम पत्र लिखते हैं।   _____________

हम दूध पीते हैं। ______________

हम कहानी सुनते हैं। ______________

वे गाँव जाते हैं। ______________

तू-तुम-आप :

नीचे दिए गए उदाहरणों के अनुसार सारणी के शब्दों की सहायता से वाक्य बनाओं :

तू सबको दाना-पानी दे ।

तुम सबको दाना-पानी दो ।

आप सबको दाना-पानी दीजिए ।

तू	मोहन को	किताब	दे ।
	राधा को	कलम	
	उसको	पेन्सिल	
तुम	राकेश को	रुपये	दो ।
	गीता को	घड़ी	
	शिक्षक को	पुस्तक	
आप	छात्रों को	ज्ञान	दीजिए ।
	बच्चों को	पुरस्कार	